प्लेऑफ से बाहर होने वाली तीसरी टीम... 7 | महाराष्ट्र में फिर मचेगा सियासी... 3 | भाजपा निर्दोषों के साथ अन्याय... 2

सांध्य दैनिक 4PM

यदि मैं इस देश की सेवा करते हुए मर भी जाऊं, मुझे इसका गर्व होगा। मेरे खून की हर एक बूंद इस देश की तरक्की में और इसे मजबूत और गतिशील बनाने में योगदान देगी।
–इंदिरा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 106 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 22 मई, 2026

भारत में मीम डेमोक्रेसी का उदय

कॉकरोच से बाज तक... सोशल मीडिया पर फूट पड़ा है वर्चुअल विद्रोह

» सरकार ने अकाउंट बंद किया तो इंटरनेट यूर्जस ने इसे आंदोलन बना दिया

» कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ने वालों का आंकड़ा 2 करोड़ के करीब, मीम वॉर में कूदी नई-नई पार्टियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने कॉकरोच जनता पार्टी के पर कतरने के लिए जितनी तेजी दिखाई उससे हाई स्पीड में कॉकरोच जनता पार्टी को ज्वाइन करने वालों की संख्या में इजाफा हो गया। कार्रवाई के महज 24 घंटे के भीतर लगभग एक करोड़ नये लोगों ने पार्टी के इंस्टा पेज को फालो कर लिया यही नहीं कॉकरोच जनता पार्टी का एकाउंट बंद होने के बाद सोशल मीडिया ने उसे डिजिटल बगावत में बदल दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी अब सिर्फ एक मजाक या मीम नहीं रह गयी है बल्कि इंटरनेट की सबसे वायरल सियासी सनक बनती जा रही है। एक्स अकाउंट सीज होने के बाद इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की ऐसी बाढ़ आई कि आंकड़ा अब 2 करोड़ के करीब पहुंच चुका है। उधर, मीम फैक्ट्री इतनी तेज चली कि कॉकरोच के बाद अब छिपकली पार्टी और बाज पार्टी भी मैदान में उतर चुकी हैं। लखनऊ के जफर अली खान नाम के युवक ने बाकायदा बाज पार्टी बनाकर लोगों से जुड़ने की अपील कर दी है। सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि यह राजनीति है या इंटरनेट का नया जंगलराज?

युवाओं की मिली नई भाषा

दरअसल, जिस चीज को शुरुआत में लोगों ने टाइमपास समझा था वही अब डिजिटल गुस्से व्यंग्य और सिस्टम से नाराज युवाओं की नई भाषा बनती जा रही है। सरकार ने जैसे ही एक्स अकाउंट पर कार्रवाई की इंटरनेट की जनता ने उसे सेंसरशिप बनाम मीम की लड़ाई बना दिया। नतीजा जिसे रोकने की कोशिश हुई वही और तेजी से फैल गया। इंस्टाग्राम रील्स, मीम पेज, टेलीग्राम ग्रुप और यूट्यूब शॉर्ट्स पर कॉकरोच जनता पार्टी अब किसी राजनीतिक संगठन से ज्यादा एक इंटरनेट कल्चर बन चुकी है। कोई इसे सिस्टम पर तंज बता रहा है कोई युवाओं की कुंठा का विस्फोट तो कोई इसे लोकतंत्र का नया डिजिटल तमाशा कह रहा है।

कट्टर ध्रुवीकरण भी हो सकता है

मीम मजाक से शुरू होते हैं लेकिन बाद में नफरत ट्रोलिंग और संगठित डिजिटल हमले का रूप भी ले सकते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह सिर्फ कॉकरोच जनता पार्टी की कहानी नहीं है। यह उस नए भारत की तस्वीर है जहां राजनीति अब रैलियों से ज्यादा रील्स में बन रही है। जहां विचारधारा से ज्यादा वायरलिटी मायने रखती है। और जहां एक मीम कई बार एक भाषण से ज्यादा ताकतवर साबित हो जाता है।

इंटरनेट की इस आंधी से समाज को फायदा या नुकसान

साइबर एक्सपर्ट के मुताबिक इस तरह की डिजिटल मीम राजनीति अक्सर दो चीजों के मिश्रण से पैदा होती है एक जनता का स्वतः उभरता गुस्सा या मनोरंजन और और दूसरा उसे दिशा देने वाली संगठित डिजिटल ताकतें। काकरोच जनता पार्टी जैसा ट्रेंड पूरी तरह ऑर्गेनिक भी हो सकता है और पूरी तरह मैनेज्ड भी नहीं। आमतौर पर ऐसे वायरल एपिसोड तीन चरणों में चलते हैं शुरुआत मजाक, व्यंग्य या गुस्से से होती है। फिर इंटरनेट की भीड़ उसे मीम और ट्रेंड में बदल देती है। और उसके बाद राजनीतिक वैचारिक या डिजिटल समूह उसमें अवसर तलाशने लगते हैं। यानी शुरुआत भले स्वतः हुई हो लेकिन जैसे जैसे करोड़ों लोग जुड़ते हैं अलग-अलग ताकतें उसे अपने हिसाब से मोड़ने की कोशिश करने लगती हैं। भारत में अब नैरेटिव की राजनीति जमीन से ज्यादा स्क्रीन पर लड़ी जा रही है।

इसलिए कोई भी वायरल चीज राजनीतिक हथियार बन सकती है। कई बार लोग सिर्फ मजे के लिए जुड़ते हैं लेकिन बाद में वही ट्रेंड राजनीतिक रंग पकड़ लेता है। यही सोशल मीडिया की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा खतरा है। एक्सपर्ट इस पूरे सीन को राजनीतिक व्यंग्य के नये दौर के तौर पर देख रहे हैं उनका कहना है कि यह सत्ता और विपक्ष दोनों पर जनता की नाराजगी को मजाक के जरिए सामने लाता है। युवा लंबा भाषण नहीं सुनते, लेकिन एक मीम लाखों तक पहुंच जाता है। यही नहीं डिजिटल भागीदारी बढ़ती है जो लोग राजनीति से कट चुके थे वह भी मीम और ट्रेंड के जरिए जुड़ने लगते हैं। इसे मीम डेमोक्रेसी भी कहा जा सकता है। इस पूरे मूवमेंट से सत्ता पर मनोवैज्ञानिक दबाव आटोमेटिकली आ चुका है जब कोई ट्रेंड बेकाबू होता है तो सरकारें भी उसकी प्रतिक्रिया देखने लगती हैं। कई बार मीम असली मुद्दों को राष्ट्रीय बहस बना देते हैं। वहीं यदि इस पूरे एपिसोड का नुकसान देखे तो यह गंभीर राजनीति का मजाक बनना है अगर हर मुद्दा सिर्फ मीम बन जाएगा तो नीति, विचारधारा और असली बहस पीछे छूट सकती है। ऐसे ट्रेंड में अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। लोग बिना जांचे चीजों को सच मानने लगते हैं। सोशल मीडिया पर जो सबसे ज्यादा वायरल है वही सच मान लिया जाता है। यह लोकतंत्र को भावनात्मक भीड़ की दिशा में धकेल सकता है।

इंस्टाग्राम पेज पर किसके कितने फॉलोअर्स

CJP	13.4M	BJP	8.8M
INC	13.3M	AAP	1.9M

बहुत कुछ लिखा जा रहा है

सोशल मीडिया पर हजारों मीम तैर रहे हैं। कहीं लिखा जा रहा है कि देश में इंसानों से ज्यादा पार्टियां अब कीड़ों की हो गई हैं। तो कहीं यूजर्स मजाक उड़ा रहे हैं अगला चुनाव शेर, बाज, छिपकली और कॉकरोच के बीच होगा। लेकिन इस वायरल सनक के पीछे सिर्फ हंसी मजाक नहीं है। राजनीति को लेकर युवाओं का मोहभंग सिस्टम से चिढ़ और हर मुद्दे को मीम में बदल देने वाली इंटरनेट संस्कृति ने इसे विस्फोटक बना दिया है। यही वजह है कि अकाउंट बंद होने के बाद भी लोग पीछे हटने के बजाय और तेजी से जुड़ते चले गए। दिलचस्प बात यह है कि अब यह सिर्फ एक पेज या नाम तक सीमित नहीं रहा। छिपकली पार्टी, बाज पार्टी और न जाने कितने नए डिजिटल संगठन पैदा हो रहे हैं। लखनऊ के जफर अली खान ने बाज पार्टी लॉन्च करते हुए लोगों से जुड़ने की अपील की तो सोशल मीडिया पर देखते ही देखते उसके पोस्ट वायरल होने लगे। कुछ लोग इसे लोकतंत्र का मजाक बता रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि यह असली राजनीति के प्रति जनता की निराशा का आईना है। सवाल बड़ा है क्या सोशल मीडिया अब सिर्फ मनोरंजन का मंच नहीं रहा? क्या इंटरनेट की यह फर्जी और व्यंग्यात्मक पार्टियां आने वाले समय में असली राजनीतिक नैरेटिव को प्रभावित करेंगी? क्योंकि इतिहास गवाह है कि कई बार मजाक में शुरू हुई चीजें ही सबसे बड़े आंदोलन में बदल जाती हैं।

वायरल ट्रेंड को विपक्ष के लिए एक अवसर : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी की अचानक और व्यापक लोकप्रियता पर हैरानी जताई और इस वायरल ट्रेंड को विपक्ष के लिए एक अवसर बताया जिसे उन्हें अवश्य भुनाना चाहिए। शशि थरूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कॉकरोच जनता पार्टी के उदय से मैं बेहद हैरान हूं, जिसने महज पांच दिनों में इंस्टाग्राम पर 1.5 करोड़ (अब 1.9 करोड़ से अधिक) फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक पार्टी के इंस्टाग्राम पर 1.9 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हो चुके थे। एक्स अकाउंट को ब्लॉक किए जाने पर थरूर ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाया और कहा कि अकाउंट को ब्लॉक करना विनाशकारी और बेहद नासमझी भरा कदम है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं को खुद को अभिव्यक्त करने के लिए एक मंच की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं युवाओं की हताशा को समझता हूं और जानता हूं कि वे इससे क्यों जुड़ रहे हैं। यही कारण है कि X पर खाता बंद करना बेहद गलत और मूर्खतापूर्ण है। युवाओं को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मंच मिलना चाहिए, इसलिए खाते को बंद करने के बजाय उसे चालू रहने दें!

भाजपा निर्दोषों के साथ अन्याय को अपनी सफलता मानती है: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- बुलडोजर का आतंक लोकतंत्र के खिलाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर एकबार फिर तीखा प्रहार किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि बुलडोजर का आतंक किसी भी लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होता। भाजपा इसे अपनी ताकत मान बैठी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा निदोषों के साथ अन्याय को अपनी सफलता मानती है।

बेसहारों के घरों को तोड़ना और लोगों को उजाड़ने को भाजपा अपनी ताकत समझती है। बुलडोजर का आतंक लोकतंत्र के खिलाफ है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकारों को संवेदनशील और मानवीय आचरण करना चाहिए। सरकारों की नैतिक और विधिक जिम्मेदारी होती है, किसी भी व्यक्ति के घरों को तब तक

बचाना जब तक वैकल्पिक व्यवस्था न हो जाए। किसी को झूठे मुकदमों में फंसाना और बिना कारण फर्जी मुठभेड़ की आड़ में गोली का दुरुपयोग अनुचित है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में मंहगाई, भ्रष्टाचार चरम पर है। आरोप लगाया कि सरकार पूंजीपतियों को मुनाफा करा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आरक्षण को छीन रही है। पीडीए को धोखा दे रही है। दावा किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता और नेता बूथों पर सतर्क रहें। भाजपा से सावधान रहकर जमीन पर कार्य करें। इस अवसर पर सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल समेत अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहें।

भाजपा सरकार में मंहगाई और भ्रष्टाचार चरम पर

अंजलि से मिला प्रतिनिधिमंडल

सपा बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू सुदर्शन ने बताया कि सपा अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने समाजसेवी/अध्यापिका अंजली मसीह से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और सामाजिक भाईचारे की ताकतों के साथ मजबूती से खड़े रहने का संदेश दिया। सुदर्शन ने कहा कि 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर लखनऊ के सदर गुरुद्वारे के पास आयोजित भंडारे में दलित समाज से आने वाली अंजलि मसीह द्वारा की गई सेवा और अखिलेश यादव का आम लोगों के बीच बैठकर पूड़ी खाना, सामाजिक न्याय और बराबरी की राजनीति का प्रतीक बन गया।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पुलिस को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनावी रैलियों में कथित बयानों को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बनर्जी को न्यायालय की अनुमति के बिना देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें जांच में पूर्ण सहयोग करना होगा।

उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि एफआईआर में उल्लिखित आरोपों की गहन जांच आवश्यक है और जांच जारी रखने की अनुमति दी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यदि जांच एजेंसी टीएमसी सांसद को पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, तो उसे कम से कम 48 घंटे पहले नोटिस देना होगा। न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा भेजे गए नोटिस का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। डायमंड हार्बर से सांसद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले 27 अप्रैल को एक सार्वजनिक सभा में प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपनी टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। बनर्जी द्वारा दिए गए गैरजिम्मेदाराना बयानों पर सवाल उठाते हुए, न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अगर टीएमसी चुनाव जीत जाती तो क्या होता। उन्होंने कहा कि इस राज्य में चुनाव के बाद हिंसा का एक बेहद भयावह इतिहास रहा है।

राहुल गांधी मानहानि केस में रिवीजन याचिका दाखिल

एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश को दी गई चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर । यूपी के सुल्तानपुर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में नया मोड़ आ गया है। भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता ने निचली अदालत के एक आदेश के खिलाफ सत्र न्यायालय (सेशन कोर्ट) में निगरानी याचिका (रिवीजन) दाखिल की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि परिवादी विजय मिश्र ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें साक्ष्य के तौर पर कुछ सैंपल लेने की उनकी मांग खारिज कर दी गई थी। यह निगरानी याचिका वर्तमान में एडीजे पंचम की अदालत में विचाराधीन है।

अधिवक्ता संतोष पांडेय ने उस आदेश की सत्य प्रतिलिपि न मिलने का हवाला देते हुए रिवीजन दायर करने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। मानहानि का मामला भाजपा नेता विजय मिश्र ने अक्तूबर 2018 में दर्ज कराया था। इस मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो

मुचलकों पर जमानत दी थी। राहुल गांधी ने 26 जुलाई 2024 को एमपी/एमएलए कोर्ट में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद, कोर्ट ने वादी पक्ष को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके बाद से लगातार गवाह पेश किए जा रहे थे। इससे पहले 20 फरवरी को भी राहुल गांधी ने एमपी/एमएलए कोर्ट में सीआरपीसी की धारा 313 के तहत अपना बयान दर्ज कराया था। कोर्ट ने उन्हें अपनी बेगुनाही के संबंध में सफाई और साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा था। हालांकि, राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने कोर्ट में कोई सफाई या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया।

अगली सुनवाई 17 जून को होगी

एडीजे कोर्ट ने इस निगरानी याचिका पर सुनवाई के लिए 30 मई 26 की तारीख तय की है। कोर्ट ने इस मामले से जुड़ी पत्रावली भी तलब की है। इस बीच मूल मानहानि मुकदमे की अगली सुनवाई 17 जून को कोर्ट में होगी। यह निगरानी याचिका निचली अदालत के दो मई के आदेश के खिलाफ दायर की गई है। दरअसल, दो मई को परिवादी के अधिवक्ता की ओर से साक्ष्य के तौर पर सैंपल लेने के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र को कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

मप्र के भाजपा नेता अपनी ही सरकार की खोल रहे हैं पोल: जीतू पटवारी

» कांग्रेस अध्यक्ष का हमला बोले- शिवराज, कैलाश व प्रहलाद असहज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि सरकार के खिलाफ सबसे ज्यादा नाराजगी भाजपा के भीतर ही है। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान, कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद सिंह पटेल जैसे वरिष्ठ नेता भी सरकार से असहज हैं।

बता दें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की प्रतिक्रिया के बाद अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार और उसके वरिष्ठ नेताओं पर बड़ा हमला बोला है। पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश सरकार के खिलाफ सबसे ज्यादा नाराजगी और सवाल खुद भाजपा के भीतर से उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की कार्यशैली से आम जनता ही नहीं, सत्ताधारी दल के नेता और मंत्री भी असहज हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि देश में बेरोजगारी

लगातार बढ़ रही है और महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि पड़ोसी देशों में पेट्रोलियम पदार्थ सस्ते हैं, जबकि भारत में जनता महंगे दामों पर ईंधन खरीदने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे पर विपक्ष और दूसरे देशों को जिम्मेदार ठहराना अब जनता को समझ आने लगा है। आम लोगों के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के घरों पर भी महंगाई और आर्थिक संकट का असर दिखाई दे रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार पर शराब माफिया, भू-माफिया और भ्रष्टाचार के आरोप विपक्ष नहीं बल्कि भाजपा के नेता ही लगा रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सज्जाद गनी लोन की नजरबंदी पर मचा बवाल

पिता की 24वीं बरसी पर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष पर सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन को उनके पिता की 24वीं बरसी पर नजरबंद कर दिया गया है। पार्टी ने एक बयान में कहा, 'जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष एवं हंदवाड़ा से विधायक सज्जाद गनी लोन की उनके पिता की बरसी पर नजरबंदी की कड़ी निंदा करती है।

पार्टी ने साथ ही लोन की नजरबंदी को अलोकतांत्रिक करार दिया। पार्टी ने कहा, "ऐसे कार्यों से जनभावनाओं को ठेस पहुंचती है और लोकतांत्रिक मूल्य कमजोर होते हैं। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के संस्थापक और सज्जाद गनी लोन के पिता अब्दुल गनी लोन की 21 मई 2002 को आतंकवादियों ने उस समय गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी थी, जब वह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की एक रैली से लौट रहे थे। यह रैली कश्मीर के एक और कद्दावर नेता मीरवाइज मौलवी मोहम्मद फारूक को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की गई थी। विडंबना यह है कि मीरवाइज मौलवी मोहम्मद फारूक की हत्या भी अब्दुल गनी लोन की हत्या से ठीक 12 साल पहले, उसी तारीख यानी 21 मई को आतंकवादियों द्वारा ही की गई थी। अपने अध्यक्ष की नजरबंदी से नाराज जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने सरकार के इस फैसले पर कड़ा ऐतराज जताया है। पार्टी द्वारा जारी बयान में कहा गया जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष एवं हंदवाड़ा से विधायक सज्जाद गनी लोन की उनके पिता की बरसी पर की गई नजरबंदी की कड़ी निंदा करती है। यह कार्रवाई पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है। पार्टी ने प्रशासन को घेरते हुए आगे कहा कि एक बेटे को उसके दिवंगत पिता की बरसी पर इस तरह जनभावनाओं से दूर रखना और घर में कैद करना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है। ऐसे प्रशासनिक कदमों से घाटी के आम लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचती है। कश्मीर घाटी में इस नजरबंदी को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

महाराष्ट्र में फिर मचेगा सियासी घमासान

क्या उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और फूट की तैयारी

» शरद पवार ने की एनडीए सरकार की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर से अटकलों का दौर शुरू हो गया है। लगता है वहां पर फिर सियासी घमासान मचेगा। एक तरफ पूर्व सीएम शरद पवार मोदी की तारीफ कर रहे नए संकेत दे रहे हैं तो दूसरी ओर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसदों और शिवसेना खेमे के नेताओं के बीच कई बैठकें हुई हैं। ऐसी ही एक ताजा बैठक मंगलवार को हुई, जब शिवसेना (यूबीटी) के सांसद भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे ने महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत से मुलाकात की।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में विकास कार्यों और वाकचौरे के लोकसभा क्षेत्र से जुड़े स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हुई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं का समर्थन करते हुए कहा है कि राष्ट्र हित दलगत राजनीति से ऊपर है और देश की प्रतिष्ठा के मामलों में राजनीतिक मतभेदों को अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी की यात्रा की आलोचना पर पलटवार करते हुए की।

लगातार हुई मुलाकातों से संदेह पैदा

हाल के दिनों में यह पहली ऐसी मुलाकात नहीं थी। एक दिन पहले, शिवसेना (यूबीटी) सांसद नागेश अष्टिकर ने भी अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। राजनीतिक चर्चाओं में इजाफा करते हुए, नासिक में श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में यूबीटी सांसद राजभाऊ की मौजूदगी ने दोनों खेमों के नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकी की अटकलों को और हवा दी। बार-बार हो रही इन मुलाकातों ने इस बात पर नए सिरे से चर्चा शुरू कर दी है कि क्या उद्धव ठाकरे गुट के कुछ सांसद अंततः शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के करीब आ सकते हैं। महाराष्ट्र में हाल के वर्षों में बड़े राजनीतिक बदलाव और नाटकीय दल-बदल देखने को मिले हैं, जिससे इस तरह की हर मुलाकात राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है।

एनसीपी की बैठकों से राजनीतिक हलचल और बढ़ी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों द्वारा मुंबई में महत्वपूर्ण बैठकों की घोषणा के बाद महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल और भी सक्रिय हो गया। जहां अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट ने अपनी प्रस्तावित बैठक फिलहाल स्थगित कर दी है, वहीं शरद पवार ने मुंबई के वाई बी चव्हाण सेंटर में अपने गुट की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है।

नेताओं ने पाला बदलने से किया इनकार

बढ़ती अटकलों के बावजूद, दोनों पक्षों के नेताओं ने मुलाकातों के पीछे किसी भी राजनीतिक मकसद से इनकार किया है। शामिल सांसदों ने कहा है कि चर्चाएं पूरी तरह से विकास परियोजनाओं, निर्वाचन क्षेत्र के मुद्दों और स्थानीय प्रशासनिक मामलों से संबंधित थीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ने या राजनीतिक खेमा बदलने की कोई योजना नहीं है।

भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा में राजनीतिक मतभेदों को आड़े नहीं आने देना चाहिए : पवार

वरिष्ठ राजनीतिज्ञ और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा में राजनीतिक मतभेदों को आड़े नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है, जबकि विपक्षी दल उनकी चल रही विदेश यात्रा की आलोचना कर रहे हैं। पवार की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस के नेता घरेलू और वैश्विक चुनौतियों के दौर में मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठा रहे हैं। मंगलवार शाम एक कार्यक्रम में बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि राजनीतिक मतभेद भले ही मौजूद हों, लेकिन देश का सम्मान दलगत सीमाओं से ऊपर रहना चाहिए। पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है, तो राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। वरिष्ठ नेता ने इस बात पर जोर दिया कि जब भी राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिले, तो राजनीतिक दलों को भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने के साझा उद्देश्य के साथ एकजुट होना चाहिए। पवार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह का भी जिक्र करते हुए कहा कि इन सभी ने अपने नेतृत्व में देश के भविष्य और प्रतिष्ठा को सर्वोपरि रखा। पवार की ये टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की चल रही पांच देशों की यात्रा की आलोचना करने के बाद आई है। राहुल गांधी ने कहा कि संकट के समय में प्रधानमंत्री लोगों से विदेश यात्रा न करने की अपील कर रहे हैं, जबकि वे स्वयं विश्व यात्रा कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि संकट के समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया को विदेश यात्रा न करने के लिए कह रहे हैं, जबकि वे स्वयं विश्व यात्रा कर रहे हैं।

ईरान के खिलाफ युद्ध अमेरिका को पड़ा भारी

रिपोर्ट में दावा- 42 विमान और ड्रोन तबाह हुए

» जंग के बाद की बर्बादी आने लगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिका की ओर से 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी उसको भारी पड़ा। अब लड़ाई के बाद की बर्बादी सामने आ रही है कुल मिला कर जंग किसी भी हाल में अच्छी जीज नहीं है इसलिए मुल्को को शांति की ओर लौटना होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया इस दौरान कम से कम 42 सैन्य विमान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए।

यह जानकारी अमेरिकी कांग्रेस की रिसर्च एजेंसी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक आधिकारिक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इन विमानों में लड़ाकू जेट, ड्रोन, हेलीकॉप्टर और एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विमानों के नुकसान और क्षति के आंकड़े अभी संशोधित हो सकते हैं, क्योंकि कई जानकारियां गोपनीय श्रेणी में हैं, कुछ सैन्य गतिविधियां अब भी जारी हैं और नुकसान के आकलन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस ने यह आंकड़े अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयानों व मीडिया रिपोर्टों के आधार पर तैयार किए हैं। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस और उसकी समितियों को नीति और कानूनी मामलों पर विश्लेषण उपलब्ध कराती है।

सैन्य अभियानों की लागत का अनुमान बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंचा

सैन्य अभियानों की लागत का अनुमान क्यों बढ़ा?

इसी बीच, 12 मई को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान कार्यवाहक पेंटागन नियंत्रक जूल्स डब्ल्यू हर्स्ट ने बताया कि ईरान में सैन्य अभियानों की लागत का अनुमान बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि लागत में इस बड़े इजाफे की प्रमुख वजह सैन्य उपकरणों की मरम्मत और उनके प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) का संशोधित आकलन है। हर्स्ट ने कहा कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा उपकरणों की मरम्मत या उन्हें बदलने की लागत के अधिक सटीक अनुमान से आया है।

अमेरिका-इस्राइल अहमदीनेजाद को ईरान की सत्ता सौंपना चाहते थे

अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान में सत्ता परिवर्तन की कथित योजना को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद को युद्ध के बाद नई सरकार का चेहरा बनाने पर विचार किया गया था। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब फरवरी में ईरान और इस्राइल के बीच हुए संघर्ष को लेकर कई नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल के अधिकारियों ने युद्ध की रणनीति तैयार करते समय अहमदीनेजाद से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों देशों के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर ईरान की मौजूदा सत्ता कमजोर होती है तो अहमदीनेजाद नई राजनीतिक व्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हठ की रट छोड़ कर एक साथ सभी आएं

> जिनता देश एक नेता का होता है उतना ही वहां की जनता का होता है। इसलिए सरकार कुछ ठोस उपाय करने पड़ेंगे नहीं तो आने वाला समय और कठिन हो सकता है। इसलिए हठ की रट छोड़ कर एक साथ सभी आएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नागरिकों से एक वर्ष तक सोने के आभूषणों की खरीद टालने की अपील और सोने पर आयात शुल्क को छह प्रतिशत से बढ़ाकर पंद्रह प्रतिशत किए जाने के बाद देश में अजीब सी खामोशी पसर गई। सरकार जनता से तो बचत की अपील कर रही पर वो क्या योजना बना रही है ये नहीं बता रही है। ऐसा लग रहा की अघोषित आर्थिक आपातकाल जैसा माहौल बना हुआ। ऐसे में सरकार को इगो छोड़कर विपक्ष को बुलाकर सर्वदलीय बैठक करना चाहिए। यही नहीं जनता की भागीदारी बढ़ानी चाहिए ताकि कुछ सुझाव आएं। जिनता देश एक नेता का होता है उतना ही वहां की जनता का होता है। इसलिए सरकार कुछ ठोस उपाय करने पड़ेंगे नहीं तो आने वाला समय और कठिन हो सकता है। इसलिए हठ की रट छोड़ कर एक साथ सभी आएं। बता दें देशभर में ज्वैलर्स की दुकानें इन दिनों वीरान नजर आने लगी हैं और इस कारोबार से जुड़े लाखों कारीगर खाली बैठने पर मजबूर हो रहे हैं। दरअसल आभूषण उद्योग में चिंता और असमंजस का माहौल गहरा गया है। सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया संघर्ष, बढ़ती ऊर्जा कीमतों और कमजोर होते रुपये के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा है, इसलिए सोने के आयात को नियंत्रित करना जरूरी हो गया है।

हम आपको बता दें कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है। ऐसे में सरकार के इस कदम का असर व्यापक माना जा रहा है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के अध्यक्ष राजेश रोकडे ने कहा कि उद्योग को प्रधानमंत्री की अपील का सम्मान करना चाहिए और किसी प्रकार की घबराहट या हड़ताल से बचना चाहिए। उनका कहना है कि कच्चे तेल के बाद सबसे अधिक विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च होती है और सरकार का उद्देश्य भुगतान संतुलन को बेहतर बनाना है। हम आपको बता दें कि आभूषण उद्योग से सीधे और परोक्ष रूप से लगभग एक करोड़ लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। इसमें कारीगर, बिक्र ीकर्मी, पैकेजिंग, सुरक्षा, बैंकिंग और बीमा जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। उद्योग जगत को आशंका है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो कोविड काल जैसी आर्थिक मुश्किलें फिर सामने आ सकती हैं। दूसरी ओर, विवाह और पारिवारिक समारोहों में सोने का सांस्कृतिक महत्व भी इस बहस के केंद्र में आ गया है। दक्षिण भारत में कसुमालै, झिमिकी, जडई बिल्ला और पारंपरिक चूड़ियों जैसे आभूषण केवल सजावट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और पारिवारिक बचत का प्रतीक माने जाते हैं। कई परिवार अब अपनी योजनाओं में बदलाव कर रहे हैं। एक महिला ने बताया कि उन्होंने विवाह के लिए नकली आभूषण अपनाने और केवल मंगलसूत्र तथा अंगूठियों जैसे सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण गहनों को ही सोने में बनवाने का निर्णय लिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इंडो-भूमध्यसागरीय क्षेत्र हेतु एक रणनीतिक साझेदारी

नरेंद्र मोदी - जॉर्जिया मेलोनी

भारत और इटली के संबंध अब निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में इन रिश्तों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता-लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। बदलाव के दौर से गुजरती दुनिया में इटली व भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब उस व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों की सभ्यतागत विरासत शामिल है। हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि-सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें।

इसी उद्देश्य से हमने विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने का संकल्प लिया है, ताकि बेहतर उपयोग हो सके। हम इटली की डिजाइन क्षमता, विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक-जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है-को भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, व्यापक क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं। यह ऐसा साझा मूल्य निर्माण है, जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को अधिक मजबूत बनाती हैं। यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार व निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत व इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन आदि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा।

उत्कृष्टता का प्रतीक 'मेड इन इटली' और आज इसका स्वाभाविक तालमेल 'मेक इन इंडिया' पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है। इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि व इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी, जो अब दोनों पक्षों को मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, सकारात्मक संकेत है। यह सप्लाई चेन के एकीकरण को मजबूत करेगी। तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेजी से बढ़ता नवाचार तंत्र, कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता-इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है। दोनों देशों के वि.वि. शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी इसे मजबूती देगी। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है। विशेष रूप से एआई आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है। इटली और भारत सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव-केंद्रित हो। भारत-इटली एआई को समावेशी विकास का सशक्त माध्यम मानते हैं। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सरल, बहुभाषी तकनीकों के माध्यम से एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है। भारत के मानव विजन यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव-केंद्रित 'एल्गोर-एथिक्स' की अवधारणा, जो मानवतावादी परंपरा पर

आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई सामाजिक सशक्तीकरण का माध्यम बने। भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके।

सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके। यही सोच इटली की जी-7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है। यह बताना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है।

संधियों के टिकाऊ ढांचे से डीलमेकिंग की डगमग डगर तक

दुनिया अब टिकाऊ संधियों और संस्थागत ढांचों के तहत परस्पर नहीं जुड़ी है। नियम आधारित व्यवस्था से सौदेबाजी की ओर बढ़ी है। रियलपॉलिटिक में महाशक्तियों का दोहरा खेल जारी है। आर्थिक संबंध भी व रणनीतिक शत्रुता भी। मल्टी अलाइनमेंट के इस दौर में दीर्घकालिक स्थिरता लाना जरूरी है।

प्रो. पूर्णेंदु रंजन

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था संधियों और संस्थागत ढांचों पर टिकी थी। ब्रेटन वुड्स वित्तीय ढांचे से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, सब कुछ नियम-आधारित था। यह व्यवस्था आदर्शवादी थी, जहां कानून और संधियां स्थायित्व देती थीं। लेकिन आज वह ढांचा बिखर चुका है। उसकी जगह आ गई है रियलपॉलिटिक-जहां स्थायी प्रतिबद्धताओं की जगह तात्कालिक सौदेबाजी और लचीले हितों का जाल है। साल 2024-25 में यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट और ताइवान पर बढ़ते तनाव ने यह साफ कर दिया कि नियमों की दुनिया अब केवल कागज पर है। दुनिया कठोर किलों से 'लाउंज कूटनीति' की ओर बढ़ी है। शीत युद्ध के नाटो और वारसा पैक्ट जैसी संस्थाएं कठोर थी, उनका उल्लंघन नहीं होता था।

साल 1991 में सोवियत पतन के बाद उभरे जी-20, एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच जानबूझकर गैर-बाध्यकारी रखे गए। वर्ष 2024 की ब्रिक्स शिखर बैठक में सऊदी अरब और ईरान की सक्रिय भागीदारी ने दिखाया कि यह मंच अब 'आ ला कार्टे' कूटनीति का प्रतीक है। देश अपनी सुविधा से आते-जाते हैं। स्थायी प्रतिबद्धता नहीं, सुविधानुसार साझेदारी। मौजूदा विश्व में व्यापार और युद्ध का अजीब संगम सामने है। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लक्षण है निहित सहनशीलता। अमेरिका-चीन तनाव के बावजूद व्यापार जारी है। साल 2025 में अमेरिकी टेक कंपनियों ने चीन से 70 फीसदी से अधिक रेयर अर्थ एलिमेंट्स आयात किए, जबकि वाशिंगटन बीजिंग को 'रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी' कहता रहा। पुरानी दुनिया में यह आत्मघाती होता, पर आज इसे आवश्यक लागत माना जाता है। यह विरोधाभास बताता है कि आपसी आर्थिक संबंध और रणनीतिक शत्रुता अब एक साथ चल रही हैं। कूटनीति अब औपचारिक संधियों से नहीं, बल्कि फोन कॉल से तय होती है। मसलन, भारत-रूस तेल व्यापार पर अमेरिका का टैरिफ-2024 में एक कॉल में 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी।

यही दोहरा खेल अमेरिका रूस के साथ भी खेल रहा है-पुतिन से दोस्ताना संवाद और साथ ही यूक्रेन को गुप्त मदद। वर्ष 2025 में व्हाइट हाउस और क्रेमलिन के बीच हुई 'टेलीफोनिक डिप्लोमेसी' ने दिखाया कि मौखिक प्रतिबद्धताएं औपचारिक दस्तावेजों से अधिक प्रभावी हो गई हैं। अमेरिका वैसे तो पाकिस्तान को आतंकवाद पर कोसता है, लेकिन 2024-25 में उसे 2.5 अरब डॉलर की सहायता भी दी। भारत को सीमित रखने का यही तरीका है। चीन को रोकने के लिए भारत जरूरी है, फिर भी पाकिस्तान को मोहरे की तरह जीवित रखा जाता है। यह दोहरा रवैया बताता है कि सिद्धांतों की जगह केवल रणनीतिक उपयोगिता बची है। मित्र और मोहरा-दोनों एक साथ। नयी वैश्विक व्यवस्था के तहत दोहरे खेल की एक और मिसाल यह कि ताइवान को 2025 में 14 अरब डॉलर का हथियार पैकेज मिला, लेकिन इसे बीजिंग से सौदेबाजी का औजार बताया गया।

सवाल है, क्या अमेरिका सैनिकों को 9,500 मील दूर भेजेगा? जब सुरक्षा गारंटी भी सौदेबाजी का हिस्सा बन जाए, तो पुरानी लक्ष्मण रेखाएं मिट जाती हैं। यह दिखाता है कि महाशक्ति भी अब अपने वादों को लाभ-हानि के तराजू पर तौल रही है। नया दौर मिनिलैटरलिज्म का है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो नियम-आधारित व्यवस्था का वास्तुकार था, अब खुद बहुपक्षवाद से पीछे हट चुका है। क्वाड, ऑकस और आई2यू2 जैसे छोटे, लचीले समूह उभरे हैं। साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने ऑकस के तहत परमाणु पनडुब्बी समझौते को आगे बढ़ाया, जबकि आई2यू2 ने खाद्य सुरक्षा पर सहयोग किया। यह 'मिनिलैटरलिज्म' बताता है कि बड़ी संधियों की जगह छोटे-छोटे गठजोड़ ही भविष्य है। भारत इस तरल यानी निरंतर बदलते माहौल में बहु-संरेखण का उदाहरण है। यह रणनीति मल्टी अलाइनमेंट की है। भारत ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय है, साथ ही क्वाड का स्तंभ भी। रूस से ऐतिहासिक संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के टैरिफ और पाकिस्तान नीति को संतुलित करता है।

साल 2024-25 में भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाया, साथ ही अमेरिका से रक्षा सहयोग भी गहरा किया। यह रणनीतिक हेजिंग भारत की संप्रभुता का नया मानक है। बीते दौर के संस्थागत किले कठोर थे, पर टिकाऊ थे। वहीं आज की निहित सहनशीलता नाजुक है- किसी गलत गणना से ढह सकती है। साल 2024 में गाजा युद्ध और 2025 में यूक्रेन मोर्चे पर बढ़ते तनाव ने दिखाया कि मानवीय पीड़ा अब स्वीकार्य कीमत बन गई है। नीति-निर्माताओं के लिए चुनौती अब नए किलों के निर्माण की नहीं, बल्कि इस लेन-देनवादी राजनीति को दीर्घकालिक संयम में बदलने की है। वर्तमान सौदेबाजी की दुनिया बिना किसी निश्चित दिशा के बह रही है। संधियों की स्याही से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों के बदलते समीकरणों से संचालित हो रही है। यह व्यवस्था लचीली है, पर नाजुक भी। नीति-निर्माताओं के लिए असली चुनौती है-तात्कालिक सौदेबाजी को दीर्घकालिक स्थिरता में बदलना। जब तक यह नहीं होता, रियलपॉलिटिक का यह नया युग महाशक्तियों के दोहरे खेल और छोटे-छोटे क्लबों की राजनीति से ही परिभाषित रहेगा।

फेफड़ों की ताकत बढ़ाने के लिए करें रोज प्राणायाम

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव और प्रदूषण हमारे श्वसन तंत्र को सबसे अधिक प्रभावित कर रहे हैं। एक स्टडी के मुताबिक रोजाना थोड़ी देर प्राणायाम फेफड़ों की कार्यक्षमता को तेजी से बढ़ा सकता है। प्राणायाम का अर्थ है प्राण यानी श्वास का आयाम यानी विस्तार। जब हम गहरी और नियंत्रित सांस लेते हैं, तो फेफड़ों के निचले हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचती है, जो सामान्य छोटी सांसों के दौरान निष्क्रिय रहते हैं। स्टडी के अनुसार, जो लोग नियमित रूप से अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे अभ्यास करते हैं, उनके शरीर में ऑक्सीजन सैचुरेशन का लेवल बेहतर रहता है और उन्हें अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। यह न सिर्फ फेफड़ों को मजबूत बनाता है, बल्कि आपके दिमाग को शांत रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

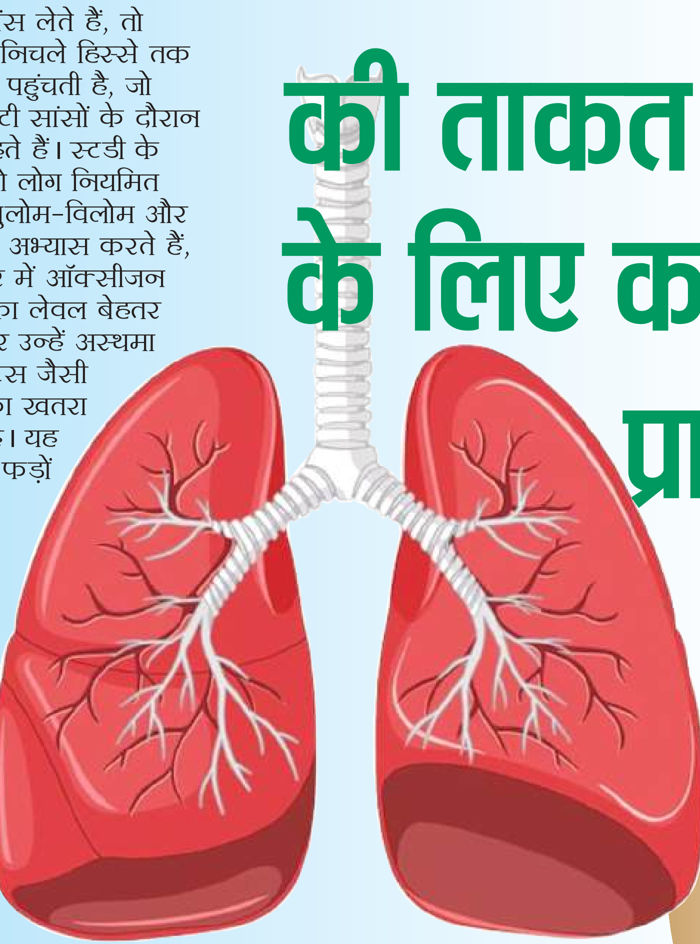

कपालभाति

अगर आप अपनी दिनचर्या में इसे शामिल करते हैं, तो आप न केवल फेफड़ों को मजबूत बना सकते हैं, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ होने वाली सांस की तकलीफों को भी टाल सकते हैं। यह फेफड़ों की झिल्लियों को लचीला बनाता है और शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को तेजी से बाहर निकालता है। सबसे पहले सुखासन, पद्मासन या वज्रासन जैसे किसी आरामदायक आसन में बैठ जाएं। अपनी रीढ़ की हड्डी, गर्दन और सिर को बिल्कुल सीधा रखें। दोनों हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रखें। आंखें कोमलता से बंद कर लें। एक लंबी गहरी सांस अंदर भरें। अब झटके के साथ नाक से सांस को बाहर छोड़ें। इस दौरान पेट की मांसपेशियों को अंदर की ओर सिकोड़ें।

भस्त्रिका प्राणायाम

प्राणायाम केवल एक योग नहीं है, बल्कि एक पूर्ण वैज्ञानिक श्वसन व्यायाम है। शहरों में बढ़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स के प्रभाव को कम करने के लिए प्राणायाम फेफड़ों के सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। यह फेफड़ों को साफ करता है और श्वसन मार्ग की रुकावटों को दूर करता है। अपने हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा या चिन मुद्रा में रखें। दोनों नासिका छिद्रों से गहराई से और तेज़ गति से श्वास अंदर भरें। महसूस करें कि आपके फेफड़े पूरी तरह भर रहे हैं। तुरंत बाद उतनी ही शक्ति और वेग के साथ श्वास को बाहर छोड़ें। शुरुआत में इसे सामान्य गति से करें, फिर धीरे-धीरे गति बढ़ाएं। एक बार में 10 से 20 श्वास लें और फिर कुछ देर विश्राम करें । ऐसे 3 से 4 चक्र या 5 मिनट तक अभ्यास किया जा सकता है। अभ्यास के बाद गहरी लंबी श्वास लें और शरीर को पूरी तरह शिथिल छोड़ दें।

अनुलोम-विलोम

यह श्वसन संबंधी मांसपेशियों की सहनशक्ति बढ़ाता है, जिससे सीढ़ियां चढ़ते समय या भारी काम करते समय सांस फूलने की तिव्रता कम होती है। यह शरीर की नाड़ियों को शुद्ध करता है और फेफड़ों के दोनों हिस्सों को समान रूप से सक्रिय करता है। इसलिए आज से ही अपनी सुबह की शुरुआत प्राणायाम से करें। सुखासन, पद्मासन या वज्रासन जैसे किसी आरामदायक आसन में बैठें। दाएं अंगूठे से दाहिनी नासिका को बंद करें। अब बाईं नासिका से धीरे-धीरे और गहरी सांस अंदर लें। सांस लेते समय मन में 4-5 तक गिनती गिन सकते हैं। सांस पूरी भरने के बाद, अनामिका से बाईं नासिका को बंद करें और दाएं अंगूठे को दाहिनी नासिका से हटा दें। अब दाहिनी नासिका से धीरे-धीरे पूरी सांस बाहर निकालें। सांस छोड़ने का समय सांस लेने के बराबर या उससे अधिक होना चाहिए।

इसका वैज्ञानिक प्रभाव

प्राणायाम के दौरान गहरी सांस लेने से डायाफ्राम मजबूत होता है, जिससे फेफड़ों को फैलने के लिए अधिक जगह मिलती है। यह फेफड़ों में जमा टॉक्सिन्स और कार्बन डाइऑक्साइड को पूरी तरह बाहर निकालने में मदद करता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि प्राणायाम पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे श्वसन दर स्थिर होती है और हृदय गति में भी सुधार होता है।

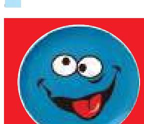

हंसना मना है

पति पत्नी मंदिर में पूजा करने गये, पति: तुमने क्या मांगा? पत्नी: कि आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पति: भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

हर आदमी का सपना- 7 अंकों में सैलरी 6 अंकों में बचत, 5 बेडरूम वाला घर, 4 पहियों की गाड़ी, 3 हफ्ते की छुट्टियां, 2 प्यारे बच्चे और 1 गूंगी बीवी।

मुर्गी - एक अंडा देना, शॉपकीपर - अंडा तो तुम देती हो, मुर्गी - हां पर मेरे पति ने कहा है की 4 रुपये के लिए क्यों अपना फिगर खराब कर रही हो!

जब घर में बच्चा पैदा होता है, मां- इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप- इसकी आंखे मुझ पर गयी है, चाचा- इसके बाल मुझ पर गए है, मां- इसकी स्माइल मुझ पर गयी है, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं बत्तमीज किस पर गया है।

मोहब्बत के खर्चों की बड़ी लंबी कहानी है, कभी फिल्म दिखानी है तो कभी शॉपिंग करानी है, मास्टरजी रोज कहते है कहां है फीस के पैसे? उसे समजाऊं मैं कैसे की मुझे छोरी पटानी है !

कहानी | पीपल एवं पथवारी

एक बुढ़िया ने अपनी बहू से कहा तू दूध दही बेच के आ। वह बेचने गई तो रास्ते में औरतें पीपल पथवारी सींच रहीं थीं। उनको सींचता देखकर बहू ने पूछा कि तुम यह क्या कर रही हो? औरतें बोली कि हम पीपल पथवारी सींच रही हैं। इससे अन्न और धन होता है। बारह वर्ष का बिछुड़ा हुआ पति मिल जाता है। बहु बोली ऐसी बात है। तो तुम पानी से सींचती हो तो मैं दूध से सींचूंगी। गूजरी बहू रोजाना दूध-दही बेचने नहीं जाती वह रोजाना दूध को पीपल में और दही पथवारी में सींचती। सास दूध-दही का दाम मांगती तो कह देती महीना पूरा हो जाने पर लाकर दूंगी। कार्तिक का महीना पूरा हो गया। पूर्णिमा के दिन बहू पीपल पथवारी के पास जाकर बैठ गई। पथवारी ने पूछा तुम मेरे पास क्यों बैठ गई। बहू बोली कि सासू दूध-दही का दाम मांगेगी। पीपल पथवारी बोली कि मेरे पास क्या दाम रखा है। ये भरा, डींडा पान पतूरा इसको ले जा। बहू ने वही ले जाकर कोठरी में रख दिया और डर के मारे कपड़ा ओढ़ कर सो गई। सासू बोली पैसे ले आई बहू। बहू बोली कोठरी में रखे हैं। सासू ने कोठरी खोल के देखी तो देखा हीरा-मोती जगमगा रहें हैं। सासू बोली बहू इतना धन कहां से लाई? बहू ने आकर देखा तो सच्ची में ही धन भरा हुआ है। बहू ने सास को सारी बात बता दी। सास ने कहा अब की कार्तिक में मैं भी पथवारी सीचूगीं। कार्तिक आया, सास दूध दही तो बेच आती हांडी धोकर पीपल पथवारी में चढ़ा देती। आकर बहू से कहती मेरे से दाम मांग। वह कहती सासू जी कोई बहू भी दाम मांगती है। मगर सासू कहती तू मांग। बहू बोली सासूजी पैसे ले आओ तो सास पीपल पथवारी के पास जाकर बैठ गयी। पीपल पथवारी ने सास को पान पतूरा भरा डींडा दे दिया। उसने ले जाकर कोठरी में रख दिया। बहू ने खोलकर देखा तो उसमें कीड़े-मकोड़े बिलबिला रहे हैं। बहू ने कहा सासूजी यह क्या? सास ने आकर देखा और बोलने लगी पीपल पथवारी बड़ी दोगली पटपीटन है। इसको तो धन दिया मुझको कीड़ा-मकोड़ा दिया। तब सब कोई बोलने लगे कि बहू तो सत् की भूखी सींची थी, तुम धन की भूखी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ — दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लाभ बढ़ेगा।

मिथुन — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क — पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह — परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या — कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला — किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृश्चिक — चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रसन्नता रहेगी।

धनु — जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर — भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन — दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

हालीवुड | मन की बात

जब तक मेरा तलाक नहीं होता तब तक मैं एक्टिंग से ब्रेक पर रहूंगा : रवि मोहन

रवि मोहन अपनी पत्नी से विवाद के चलते चर्चा में हैं। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उन्होंने बताया था कि जब तक उनका तलाक पक्का नहीं हो जाता तब तक वह एक्टिंग से ब्रेक पर रहेंगे। इस बीच उन्होंने सबरीमाला व्रतम शुरू कर दिया है। अभी वह सबरीमाला की सालाना तीर्थयात्रा से जुड़ा पवित्र व्रत कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने माला पहनी है और वह उपवास के नियमों का पालन कर रहे हैं। हाल ही में रवि मोहन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने अपनी शादी और मुश्किल के बारे में बात की थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि उन्हें अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया जा रहा था। आरती से अलग होने के बाद उन्हें मानसिक तकलीफ का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि शादी टूटने के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। उन्होंने साइबर बुलिंग का भी जिक्र किया। रवि ने यह भी आरोप लगाया कि रिश्ते के दौरान पैसों से जुड़े मामले झगड़े की वजह बन गए थे। उनके मुताबिक, कपल का एक जॉइंट बैंक अकाउंट था और छोटी-मोटी रकम निकालने पर भी उनसे सवाल पूछे जाते थे। अलग होने के बाद, रवि को अक्सर सिंगर केनीशा के साथ इवेंट्स में जाते और सबके सामने आते देखा गया। एक्टर ने अपनी कथित पार्टनर केनीशा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी शादी से जुड़ी समस्याओं का असर उस रिश्ते पर भी पड़ा है। रवि ने दावा किया कि केनीशा ने आखिरकार उनका साथ छोड़ दिया। इस मामले की वजह से केनीशा को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ रहा था। आपको बता दें कि रवि की पत्नी आरती ने गुजारे भत्ते के तौर पर रवि से 40 लाख रुपये महीने की मांग की है। फिल्ममेकर करण जौहर ने धर्मा प्रोडक्शन के तहत कुछ कुछ होता है और कभी खुशी कभी गम जैसी बेहतरीन बॉलीवुड फिल्में दी हैं। अब ये प्रोडक्शन हाउस गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहा है।

अनन्या की 'चांद मेरा दिल' तोड़ेगी सारे रोमांटिक फिल्मों के रिकॉर्ड!

अनन्या पांडे और लक्ष्य की अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक खूब चर्चा हो रही है। लंबे समय बाद ऐसी रोमांटिक फिल्म आ रही है, जिसे लेकर दर्शकों के बीच अलग ही एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है। फिल्म का माहौल पूरी तरह लव स्टोरी वाला है, लेकिन इसमें आज के दौर का मॉडर्न टच भी देखने को मिलेगा। यही वजह है कि यंग ऑडियंस इस फिल्म को लेकर ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। ट्रेलर और गानों में जो फील दिखी है, उसने पहले ही लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है।

कई लोगों को लग रहा है कि ये फिल्म पुराने दौर वाले रोमांस की याद दिला सकती है। फिल्म को लेकर ट्रेड एक्सपर्ट्स भी काफी पॉजिटिव दिखाई दे रहे हैं। उनका मानना है कि 'चांद मेरा दिल' पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत कर सकती है। खास बात ये है कि आज के समय में ज्यादातर लोग रोमांटिक कंटेंट ओटीटी पर देखना पसंद करते हैं, लेकिन इस फिल्म को थिएटर में देखने का क्रेज अलग दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर इसके गानों और क्लिप्स को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। एडवांस बुकिंग को लेकर भी अच्छे हिंट मिलने शुरू हो गए हैं। अगर ये यंगस्टर्स को पसंद आती है, तो अच्छी ओपनिंग कर सकती है।

अनन्या पांडे के लिए भी ये फिल्म काफी जरूरी मानी जा रही है। पिछले कुछ समय में उन्होंने अपनी एक्टिंग पर काफी काम किया है और कई प्रोजेक्ट्स में उनकी एक्टिंग को लोगों ने पसंद भी किया। पहले जहां उन्हें सिर्फ स्टार किड के तौर पर देखा जाता था, वहीं अब धीरे-धीरे उनकी पहचान एक परफॉर्मर के रूप में बनने लगी है। 'चांद मेरा दिल' में उनका अलग अंदाज देखने को मिल सकता है। फिल्म के प्रमोशन में भी उनका कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा है। अगर ये फिल्म हिट हो जाती है, तो उनके करियर को बड़ा फायदा मिल सकता है और इंडस्ट्री में उनकी पोजीशन पहले से ज्यादा मजबूत हो सकती है।

किसी भी रोमांटिक फिल्म की जान उसका म्यूजिक माना जाता है और 'चांद मेरा दिल' इस मामले में पहले से मजबूत दिखाई दे रही है। फिल्म के गाने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे हैं। इंस्टाग्राम रील्स और शॉर्ट वीडियो में लोग इन गानों का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। यही चीज फिल्म को रिलीज से पहले बड़ा फायदा दे रही है। जब गाने लोगों की जुबान पर चढ़ जाते हैं, तो दर्शकों का थिएटर तक पहुंचना आसान हो जाता है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि फिल्म का म्यूजिक इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में बड़ा रोल निभा सकता है। कई बार सिर्फ गानों की वजह से भी रोमांटिक फिल्में लंबी रेस का घोड़ा बन जाती हैं।

जिंदगी वन्स मोर से गुजराती सिनेमा में डेब्यू करेंगे करण जौहर

करण जौहर का प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शंस अब हिंदी सिनेमा के साथ-साथ क्षेत्रीय फिल्मों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रहा है। इस बार कंपनी गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने की तैयारी में है। करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस अब गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहा है। कंपनी अपनी पहली गुजराती फिल्म 'जिंदगी वन्स मोर'19 जून 2026 को रिलीज करेगी। धर्मा प्रोडक्शंस ने वार्ताकार फिल्म्स के साथ साझेदारी की है और दोनों मिलकर अपकमिंग फिल्म 'जिंदगी वन्स मोर' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि इसका निर्माण वार्ताकार फिल्म्स ने किया है। फिल्म का निर्देशन जयमिन ने किया है और इसे वासु ढोलकिया ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म 'जिंदगी वन्स मोर' में सिद्धार्थ रंदेरिया मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जबकि आरती पटेल भी अहम किरदार में नजर आएंगी। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। कहानी की बात करें तो यह एक भावनात्मक ड्रामा है, जो पिता और पुत्र के रिश्ते पर आधारित है। फिल्म इस सच्चाई को उजागर करती है कि बच्चे अक्सर अपने पिता के अतीत और उनके जीवन के संघर्षों को पूरी तरह समझ नहीं पाते। इसे फादर्स डे वीकेंड से पहले रिलीज किया जाएगा, जिससे इसकी भावनात्मक अपील और बढ़ जाती है। यह फिल्म जयमिन के निर्देशन में पहली फिल्म होगी। वहीं स्क्रीनप्ले दीप ढोलकिया ने लिखा है, जो इस फिल्म के साथ-साथ अभिनय के क्षेत्र में भी डेब्यू कर रहे हैं। उनके साथ जाह्नवी ढकन भी स्क्रीन पर नजर आएंगी।

धर्मा प्रोडक्शंस के सीईओ अपूर्व मेहता ने कहा कि अच्छी कहानियों की कोई भाषा सीमा नहीं होती और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में इस समय रचनात्मकता और दर्शकों का मजबूत समर्थन देखने को मिल रहा है। इसी वजह से कंपनी इस क्षेत्रीय सिनेमा का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित है।

अजब-गजब | अपनी सुंदरता के लिए मशहूर है यह ग्रीनलैंड

यहां दो शहरों के बीच हेलीकाप्टर से करते हैं यात्रा

जब भी हम किसी देश की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में चौड़ी सड़कें, लंबे हाईवे और शहरों को जोड़ने वाले रास्ते जरूर आते हैं। सड़कें किसी भी देश की पहचान मानी जाती हैं, क्योंकि इन्हीं के जरिए लोग एक जगह से दूसरी जगह आसानी से पहुंच पाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा भी देश मौजूद है, जहां शहरों को आपस में जोड़ने के लिए कोई सड़क ही नहीं है? जी हां, यहां आप कार लेकर एक शहर से दूसरे शहर तक नहीं जा सकते। सुनने में यह बात भले ही अजीब लगे, लेकिन यह बिल्कुल सच है।

दरअसल, इस अनोखे देश का नाम ग्रीनलैंड है। यह देश अपनी बेहद ठंडी जलवायु और विशाल बर्फीली चादरों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहां का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा मोटी बर्फ से ढका हुआ है। चारों तरफ फैले ग्लेशियर, ऊंचे पहाड़ और गहरी खाड़ियां इस जगह को बेहद अलग और कठिन बना देते हैं। यही कारण है कि यहां शहरों और कस्बों को जोड़ने के लिए बड़े रोड नेटवर्क या नेशनल हाईवे नहीं बनाए जा सके हैं। छोटे कस्बों के अंदर कुछ सड़कें जरूर हैं, लेकिन एक शहर से दूसरे शहर तक जाने के लिए कोई सड़क मौजूद नहीं है।

ग्रीनलैंड में सड़कें ना होने की सबसे बड़ी वजह इसका कठिन भूगोल और मौसम है। यहां

का तापमान ज्यादातर समय बेहद कम रहता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी और तेज बर्फीले तूफान आम बात है। इसके अलावा यहां की आबादी भी बहुत कम है और लोग दूर-दूर बसे हुए हैं। ऐसे में हजारों किलोमीटर लंबी सड़कें बनाना ना सिर्फ मुश्किल है बल्कि बेहद महंगा भी माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यहां सड़कें बनाना और फिर उनका रखरखाव करना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा।

अब आपके मन में एक सवाल जरूर आ रहा होगा कि अगर यहां सड़कें नहीं हैं, तो लोग एक जगह से दूसरी जगह कैसे जाते होंगे? ग्रीनलैंड में यात्रा का सबसे बड़ा साधन हवाई सेवा है। यहां छोटे विमान और हेलीकॉप्टर लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। कई जगहों पर नाव, जहाज और फेरी सर्विस का भी इस्तेमाल किया जाता है। सर्दियों में जब पूरा इलाका बर्फ से ढक जाता है, तब लोग स्नोमोबाइल और डॉग स्लेज का सहारा लेते हैं। डॉग स्लेज यानी कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली बर्फ गाड़ियां आज भी यहां यह इस्तेमाल होता है।

ग्रीनलैंड सिर्फ अपनी अनोखी व्यवस्था के लिए ही नहीं बल्कि शानदार प्राकृतिक नजारों के लिए भी काफी मशहूर है। यहां के विशाल ग्लेशियर, बर्फीले पहाड़ और आसमान में दिखने वाली नॉर्दर्न लाइट्स पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती हैं। यहां रहने वाला इनुइट समुदाय सदियों से इस कठिन मौसम में जीवन जीता आ रहा है। उनकी संस्कृति और जीवनशैली भी दुनियाभर के लोगों के लिए काफी दिलचस्प मानी जाती है।

ग्रीनलैंड वैज्ञानिकों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। जलवायु परिवर्तन का असर यहां तेजी से दिखाई दे रहा है, क्योंकि यहां की बर्फ लगातार पिघल रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ग्रीनलैंड की बर्फ तेजी से पिघलती रही, तो आने वाले समय में समुद्र का जलस्तर बढ़ सकता है। इसका असर दुनिया के कई तटीय देशों पर पड़ सकता है। इसी वजह से दुनियाभर के रिसर्चर्स यहां के मौसम, ग्लेशियर और पर्यावरण पर लगातार रिसर्च कर रहे हैं।

ये है भारत का सबसे एडवांस गांव, हर घर में लगा है एसी, फिर भी नहीं आता बिजली बिल!

भारत के कई गांव आज भी बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। घंटों लोडशेडिंग, महंगे बिल और बार-बार कटौती आम बात है। गांव तो छोड़िये, शहरों में भी ये समस्या आम है। लेकिन महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक छोटा सा गांव इस तस्वीर को पूरी तरह बदल रहा है। इस गांव का नाम है मान्याचीवाड़ी। ये गांव महाराष्ट्र का पहला 100फीसदी सोलर पावर्ड गांव बन चुका है। यहां हर घर में बिजली है, एसी-कूलर चलते हैं, टीवी और फ्रिज चलते हैं, लेकिन बिजली का बिल शून्य आता है। पाटन तहसील में बसा ये गांव मात्र 420 लोगों की आबादी वाला है। लेकिन इस गांव की सुविधाओं ने इसे शहरों से भी आगे कर दिया है। गांव में कुल 102 घर हैं और हर घर की छत पर सोलर पैनल लगे हुए हैं। कुल 102 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन गांव की पूरी बिजली जरूरत पूरी करते हैं। स्कूल, ग्राम पंचायत कार्यालय, आंगनवाड़ी, स्ट्रीट लाइट्स, पानी की सप्लाई और सीसीटीवी कैमरे भी सोलर एनर्जी पर चलते हैं। सवाल है कि ये सब कैसे हुआ? कुछ साल पहले गांव में अक्सर बिजली कटौती होती थी। महिलाओं ने आगे बढ़कर इसे बदलने का फैसला किया। ग्राम पंचायत की मदद से और पीएम सूर्य घर योजना के तहत हर घर पर सोलर पैनल लगाए गए। आज गांव ना सिर्फ अपनी जरूरत पूरी करता है बल्कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट का बेहतरीन उदाहरण बन गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस गांव का उद्घाटन और सराहना की है। मान्याचीवाड़ी सिर्फ सोलर के लिए नहीं बल्कि समग्र विकास के लिए मशहूर है। 2001 में ग्राम पंचायत बनने के बाद से गांव को 76 अवॉर्ड मिल चुके हैं। यहां की कुछ अनोखी सुविधाएं इस प्रकार हैं। **जानवरों के लिए ब्यूटी पार्लर**: पशुओं की सफाई और देखभाल के लिए खास व्यवस्था। **गुटका थूकने के लिए वॉश बेसिन**: सड़कों पर लगे वॉश बेसिन ताकि लोग थूककर मुंह धो सकें और गांव साफ रहे। **लड़कियों के लिए सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन**: स्कूल और पब्लिक जगहों पर लगी मशीनें। **स्कूलों में पार्क**: बच्चों के खेलने के लिए आधुनिक पार्क। **सीसीटीवी निगरानी**: पूरे गांव में सुरक्षा के लिए कैमरे। **वेस्ट मैनेजमेंट और ड्रेनेज**: वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन और पानी की निकासी। **24 घंटे पानी की सप्लाई** : लगातार स्वच्छ पानी उपलब्ध।

पेपर लीक रोकने के लिए सरकार लागू करे मजबूत परीक्षा प्रणाली : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने फिर मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

» कांग्रेस देशभर में प्रभावित छात्रों के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर नीट परीक्षा के पेपर लीक विवाद को लेकर एकबार फिर तीखा हमला किया है। कांग्रेस नेता ने एनडीए सरकार पर इन समस्याओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए भविष्य में इस तरह की लीक को रोकने के लिए एक मजबूत परीक्षा प्रणाली लागू करने की बात कही। राहुल ने कहा कि कांग्रेस देशभर में बार-बार पेपर लीक के आरोपों से प्रभावित छात्रों के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते और देश में पेपर लीक को रोकने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित प्रणाली लागू नहीं हो जाती।

सरकार जवाबदेही पर नहीं चलती

राहुल ने कहा कि जो सरकार छात्रों के सवालों का जवाब लाठियों से देती है, वह जवाबदेही पर नहीं चलती ङ्क वह डर पर चलती है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष परीक्षा सुधार और जवाबदेही के लिए अपना अभियान जारी रखेगा। गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट स्नातक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय की ओर मार्च किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स पर रोक दिया, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए जल प्रस्फुटन का इस्तेमाल किया और विरोध प्रदर्शन के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

यह लड़ाई हर उस छात्र के लिए है जिसका भविष्य इस विफल सरकार ने छीन लिया है। राहुल ने आरोप लगाया कि देश भर के छात्रों को बार-बार परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा और सरकार पर इस मामले में जिम्मेदारी न लेने का आरोप लगाया।

युवा प्रश्नपत्र लीक से परेशान, पीएम मिठाई बांट रहे हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब मोदी जी इटली में मिठाई बांटने के वीडियो बना रहे थे, तब भारत के युवा प्रश्नपत्र लीक से परेशान होकर सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग कर रहे थे। कांग्रेस सांसद ने आगे दावा किया कि नीट प्रश्नपत्र लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया और आरोप लगाया कि कई छात्रों ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान को पद से न हटाने के लिए केंद्र की आलोचना भी की और भाजपा शासित राज्यों पर इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग करने का आरोप लगाया।

संसदीय समिति के तीखे सवालों से घिरे एनटीए चीफ

परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह को शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के समक्ष पेश हुए और प्रश्नपत्र लीक कांड के संबंध में सवालों का सामना किया, जिसके कारण चिकित्सा में प्रवेश के लिए आवश्यक परीक्षा रद्द कर दी गई थी। सूत्रों के अनुसार, सिंह ने समिति को बताया कि एजेंसी नीट परीक्षा के पेपर लीक होने की बात नहीं मानती है। विपक्षी सदस्यों के बार-बार पूछे जाने वाले सवालों के बावजूद, एनटीए अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि मामला फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के अधीन है, और CBI की जांच पूरी होने और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही एजेंसी इसे पेपर लीक मानेगी। समिति के सदस्यों ने कथित प्रश्नपत्र लीक से संबंधित पिछली घटनाओं को लेकर एनटीए से सवाल किए। समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने बैठक के दौरान एनटीए अधिकारियों के समक्ष कई प्रश्न उठाए। सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसद चर्चा के दौरान एनटीए के रुख का समर्थन करते नजर आए।

पार्षद को शपथ न दिलाना लखनऊ महापौर को पड़ा भारी

» हाईकोर्ट ने फ्रीज किए वित्तीय- प्रशासनिक अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के वार्ड संख्या-73 फैजुल्लागंज से निर्वाचित पार्षद ललित किशोर तिवारी को पांच महीने के बाद भी पद एवं गोपनीयता की शपथ न दिलाए जाने पर सख्त नाराजगी जताते हुए लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार फ्रीज कर दिए हैं। कोर्ट ने जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को अगले आदेश नगर निगम का काम देखने के लिए कहा है। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति एसक्यूएच रिजवी की खंडपीठ ने यह आदेश ललित किशोर तिवारी की याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया।

> " अभी कोर्ट का आर्डर नहीं मिला है मगर जो आदेश होगा उस पर अमल किया जाएगा। अभी अस्पताल में हूं। दो-तीन दिन में वहां से आने के बाद आदेश देखकर आगे की कार्यवाही करूंगी।
>
> सुषमा खर्कवाल, महापौर

याचिकाकर्ता ने बताया कि निर्वाचन न्यायाधिकरण ने उन्हें 19 दिसंबर 2025 को निर्वाचित घोषित किया था लेकिन अब तक उनको शपथ नहीं दिलाई गई है। इस बीच पूर्व निर्वाचित सदस्य अभी भी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट से भी 20 मई को मामले के पक्षकारों को राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि अगली सुनवाई की तिथि 21 मई तक शपथ नहीं दिलाई गई तो लखनऊ के जिला मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त और महापौर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देना होगा। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी और नगर आयुक्त पेश हुए। अदालत ने निर्वाचित पार्षद ललित किशोर तिवारी को शपथ न दिलाए जाने पर अफसरों को फटकार लगाई। साथ ही पिछली सुनवाई के समय के आदेश का पालन न करने पर महापौर के अधिकार फ्रीज कर दिए।

मेलोडी खाओ शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भूल जाओ : प्रियंका चतुर्वेदी

» शिवसेना यूबीटी नेता का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने इस बार छात्रों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सीबीएसई 12वीं की स्कैन कॉपी देखने में छात्रों को आ रही परेशानी को लेकर पोस्ट किया है। साथ ही उन्होंने बिना नाम लिए पीएम नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला है। हाल में उन्होंने नीट पेपर लीक के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा था और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की थी।

प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा मेलोडी खाओ और खुश हो जाओ,शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भूल जाओ, इतने सारे बच्चों को मेंटल स्ट्रेस देकर, बच्चों को पिलर टू पोस्ट भगाकर, उनके भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगाकर तब भी अगर मंत्री की कुर्सी पर चिपक कर बैठे हुए हो तो शर्म है! दरअसल, सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा की स्कैन उत्तर पुस्तिका के लिए आवेदन करने में कई छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बोर्ड ने आवेदन के लिए 19 से 23 मई तक की तारीखें तय की थीं, लेकिन लगातार तीसरे दिन आवेदन में तकनीकी समस्या आई। छात्रों का कहना है कि वेबसाइट बार-बार क्रैश हो रही है। कई मामलों में तो पैसे कटने के बाद भी पेमेंट वेरिफाई नहीं हो रहा। वहीं, सीबीएसई ने इस मामले में जवाब देते हुए कहा कि ऑनलाइन पोर्टल सही तरीके से काम कर रहा है।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, वे सोच-समझकर बोलते हैं : राउत

» शिवसेना यूबीटी राज्यसभा सांसद ने भाजपा-आरएसएस को दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी राज्यसभा सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी के गद्दार वाले बयान पर भाजपा द्वारा उन पर निशाना साधने के बाद उनका बचाव किया। भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए राउत ने कहा कि भाजपा हमेशा आक्रामक रहती है। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। वे सोच-समझकर बोलते हैं। वे राजीव गांधी के पुत्र और इंदिरा गांधी के पोते हैं। यह एक परंपरा है। इस तरह की भाषा का प्रयोग केवल राहुल गांधी ही नहीं, बल्कि देश के अन्य नेता भी कर रहे हैं। भाजपा और आरएसएस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि लोग इस तरह

की भाषा का प्रयोग क्यों कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के मामले में एनआईए की चार्जशीट पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने पाकिस्तान स्थित लश्कर आतंकवादी लांगड़ा को हमले का मुख्य साजिशकर्ता बताए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लांगड़ा अब कहां है? वह पाकिस्तान में है, है ना? तो उसे यहां लाओ। आपने पहलगाम में अपराधियों को मारने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। देश चाहता है कि लांगड़ा और तंगरा को फांसी दी जाए। तभी ऐसा होगा। राउत ने बढ़ती बेरोजगारी और ईंधन की कीमतों को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है। लोग लंबी कतारों में खड़े हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री देश को उपदेश देते हैं और फिर चले जाते हैं। उन्हें कोई रास्ता दिखाना चाहिए ताकि देश के लोग शांति से रह सकें।

मोदी जी इटली से कोई मंत्र लाए होंगे

प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई मंत्रिपरिषद की बैठक पर टिप्पणी करते हुए राउत ने कहा कि देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। चीन और भारत एशिया के दो बड़े देश हैं। अब जब मोदी जी इटली से लौट आए हैं, तो ऐसा लगता है कि भारत की स्थिति में सुधार होगा। वे किसी कारणवश कोई मंत्र लेकर आए होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत खराब है।

प्लेऑफ से बाहर होने वाली तीसरी टीम बनी चेन्नई

» गुजरात ने सीएसके को 89 रनों से हराया, तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है जीटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रनों से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने साई सुदर्शन, शुभमन गिल और जोस बटलर की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 13.4 ओवर में सिर्फ 140 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

उनके लिए शिवम दुबे ने 17 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली। इस मुकाबले में हार के साथ चेन्नई की प्लेऑफ की उम्मीदें समाप्त हो गई और टीम प्लेऑफ की दौड़ से पूरी तरह बाहर हो गई। यह उनका इस सीजन का आखिरी मुकाबला था। टीम 14 में से छह मुकाबले जीतकर सातवें स्थान पर रही। वहीं, पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी गुजरात टाइटंस 14 में से नौ मुकाबले जीतकर दूसरे स्थान पर बनी हुई है। उसके खाते में 18 अंक हैं। जबकि शीर्ष पर आरसीबी है जिसके 13 मैचों में 18 अंक है। वहीं तीसरे पायदान पर हैदराबाद है। जिसके 13 मैचों में 16 अंक हैं। चौथे स्थान पर राजस्थान रायल हैं जिसके 13 मैचों में सात जीत के साथ 14 अंक हैं और वह आखिरी मैच जीत कर क्वालीफाई कर सकती है। क्योंकि वह 16 अंक साथ चौथी टीम बन जाएगी। क्योंकि पंजाब और अपना आखिरी मुकाबला जीतने के बाद भी 15 अंक ही जुटा पाएंगे।

गिल ने टी20 में पूरे किए 6000 रन और 200 छक्के

शुभमन गिल ने आईपीएल 2026 में टी20 में 6000 रन पूरे कर लिए हैं। इतना ही नहीं उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 200 छक्के भी पूरे कर लिए हैं। गिल का बल्ला आईपीएल के मौजूदा सीजन में आग उगल रहा है और वह लगातार टीम के लिए दमदार पारी खेल रहे हैं। गिल टी20 में सबसे तेज 6000 रन पूरे करने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे कम पारियों में भारत के लिए केएल राहुल और विराट कोहली ने ऐसा किया है। राहुल ने 166 टी20 पारियों में 6000 रन पूरे किए थे, जबकि कोहली को इस उपलब्धि तक पहुंचने में 184 पारियां लगी। ओवरऑल टी20 में सबसे तेज 6000 रन पूरा करने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 162 पारियों में ऐसा किया था। पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं जिन्होंने इस उपलब्धि पर पहुंचने में 165 पारियां ली थी। अब तक तीन खिलाड़ी ऐसे थे जिन्होंने 27 साल होने से पहले पुरुष टी20 में 6000 रन पूरे किए थे। अब गिल भी इस विशेष सूची में शामिल हो गए हैं। गिल की उम्र फिलहाल 26 साल 255 दिन है। वहीं, इससे पहले बाबर, रहमानल्लाह गुरबाज और विल जैक्स ने ऐसा किया है।

भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

नीट परीक्षा रद्द और पेपर लीक, महंगे पेट्रोल डीजल, गैस के दाम, दूध के दाम की बढ़ोतरी को लेकर हल्लाबोल

» प्रदेश में बिजली संकट से हाहाकार, लोगों का जगह-जगह फूटा गुस्सा

» समाजवादी पार्टी के छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नीट परीक्षा रद्द और पेपर लीक , महंगे पेट्रोल डीजल, गैस के दाम, दूध के दाम की बढ़ोतरी और महिला सुरक्षा को लेकर आज राजधानी में भाजपा सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूटा। वहीं समाजवादी पार्टी का जोरदार हंगामा के साथ विरोध प्रदर्शन किया। उधर प्रदेश प्रचंड गर्मी के बीच आठ-आठ घंटे बिजली कटने से लोग परेशान होकर बिजली घरों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। हजरतगंज चौराहे पर समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी छात्र सभा यूथ ब्रिगेड समेत विभिन्न संगठनों ने जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर हजरतगंज चौराहे पर जमा होकर हंगामा और नारेबाजी करने लगे।

नीट परीक्षा रद्द और पेपर लीक , महंगे पेट्रोल डीजल, गैस के दाम , दूध के दाम की बढ़ोतरी और महिला सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी हाथ में पोस्टर लेकर पहुंचे जिस पर लिखा था महंगाई की यह कैसी मार , मजे में नेता जनता बेलाचार। पेट्रोल, डीजल के बढ़ते दाम सरकार नाकाम। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारा लगाया सरकार वीक पिक पेपर लीक।

पुलिस और कार्यकर्ताओं में जमकर नोकझोंक

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं में जमकर धक्का-मुक्की और नोक झोंक हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़ा फाड़ने और अभद्रता करने का आरोप लगाया। लगभग आधे घंटे तक पुलिस संघर्ष करती रही जिसके बाद दो बसों में भरकर कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और एक गार्डन भेजा । इस दौरान कई प्रदर्शनकारी बस की छत पर चढ़कर नारा लगाने लगे जिन्हें उतारने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हुई। पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियो को बस में भरकर इको गार्डन भेजा।

बिजली संकट से जनता बेहाल प्रदर्शन पर केस हो रहे दर्ज

पूरा प्रदेश बिजली संकट से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा हे और जब जनता उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रही तो उनपर केस दर्ज किया जा रहा है। सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने 100 से 150 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने उन पर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। राजधानी लखनऊ से राज्य के हिस्सों में ऐसा हो रहा हे। तेलीबाग उतरेठिया उपकेंद्र से होने वाली बिजली आपूर्ति से क्षेत्र में लगातार बिजली संकट को लेकर स्थानीय लोगों के द्वारा बृहस्पतिवार को सुबह रायबरेली रोड को जाम कर दिया गया था। बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने और जाम खुलवाने के लिए जब पुलिस पहुंची तो प्रदर्शनकारी पुलिस से भी भिड़ गए और पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की करने लगे। इस दौरान लगभग एक घंटे तक रोड जाम रहा। लोग परेशान हुए। घटना के बाद साउथ सिटी चौकी प्रभारी द्वारा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि चौकी प्रभारी की तरफ से दर्ज कराए गए मुकदमे में 100 से डेढ़ सौ अज्ञात लोग शामिल है जिन्होंने उपद्रव किया था।

दिल्ली सरकार बिजली संकट दूर करने में नाकाम : केजरीवाल

» आप संयोजक ने भीषण गर्मी में पावर कट पर भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिजली कटौती को लेकर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 45 डिग्री तापमान में दिल्लीवासी बिजली संकट से जूझ रहे हैं, जबकि सरकार स्थिति संभालने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली को 15 साल पीछे धकेल दिया है। केजरीवाल ने कहा कि राजधानी में एक तरफ भीषण गर्मी के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है, वहीं दूसरी तरफ लगातार हो रहे पावर कट ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।

उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के कई इलाकों में बार-बार बिजली जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे लोगों को रात में भी राहत नहीं मिल पा रही। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर कई लोगों की शिकायतों के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा कि पूरी दिल्ली में कभी भी बिजली चली जा रही है और लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया बिजली कटौती की शिकायतों से भरा पड़ा है, लेकिन भाजपा सरकार इस गंभीर समस्या पर ध्यान देने के बजाय सो रही है। केजरीवाल ने अपनी सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि तब दिल्ली में लोगों ने पावर कट को लगभग भूल ही गया था। उन्होंने कहा कि उस समय बिजली व्यवस्था इतनी बेहतर हो गई थी कि इनवर्टर की बिक्री तक कम हो गई थी। उनके अनुसार भाजपा सरकार के सत्ता में आते ही बिजली व्यवस्था बिगड़ गई और दिल्ली को 15 साल पीछे धकेल दिया गया।

उमर खालिद को हाईकोर्ट से राहत

मां की सर्जरी के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद को तीन दिन की अंतरिम जमानत दी है। यह निर्णय उनकी मां की सर्जरी के कारण लिया गया। अदालत ने 1 जून सुबह 7 बजे से 3 जून शाम 5 बजे तक के लिए जमानत मंजूर की। इसके लिए एक लाख रुपये का निजी मुचलका भरना होगा।

खालिद को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ही रहने का निर्देश दिया गया है। उन्हें घर पर रहना होगा और केवल अस्पताल जाने की अनुमति होगी। न्यायालय ने पहले भी खालिद को पारिवारिक समारोहों के लिए जमानत दी थी और उन्होंने सभी शर्तों का पालन किया था। अदालत ने उन्हें मामले में मुख्य षड्यंत्रकारियों में से एक बताया। हालांकि, मां की चिकित्सीय स्थिति को देखते हुए सीमित अंतरिम राहत दी गई।

सुहैल अहमद थोकर को यूएपीए मामले में मिली जमानत

कश्मीर घाटी में कथित आतंकी साजिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से आरोपी सुहैल अहमद थोकर को बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह फैसला सुनाया। सुहैल अहमद थोकर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए और अन्य आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि आरोपी 5 अक्तूबर 21 से जेल में बंद है और वह लंबे समय से हिरासत में है। अदालत ने यह भी माना कि मामले की सुनवाई पूरी होने में अभी काफी समय लग सकता है। इसी आधार पर अदालत ने आरोपी को जमानत देने का फैसला किया।

ट्विशा शर्मा मामले की होगी सीबीआई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने ससुराल वालों द्वारा कथित तौर पर उत्पीड़न के कारण एक महिला की मौत की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। उत्तर प्रदेश के नोएडा की रहने वाली 30 वर्षीय महिला 12 मई को भोपाल के बाग मुगलिया एक्सटेंशन स्थित अपने ससुराल में मृत पाई गई।

हालांकि, उसके परिवार ने शरीर पर चोट के निशानों का हवाला देते हुए हत्या का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि महिला ने कहा था कि उसके पति ने उसके साथ मारपीट की थी। उसकी मृत्यु के बाद से कई घटनाक्रम सामने आए हैं, जैसे उसके पति का लापता होना, उसकी मृत्यु से ठीक पहले का सीसीटीवी फुटेज और व्हाट्सएप चैट जिसमें उसने ससुराल की स्थिति पर निराशा व्यक्त की थी। इन सभी घटनाओं ने कथित आत्महत्या के कारणों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राज्यसभा की 24 सीटों पर चुनाव 18 जून को

» चुनाव आयोग ने किया तारीखों का एलान, 10 राज्यों में खाली हुई सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों को लेकर चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। चुनाव आयोग की ओर से जानकारी दी गई है कि 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर 18 जून 26 को चुनाव कराया जाएगा।

चुनाव आयोग की घोषणा के बाद संबंधित राज्यों में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, कर्नाटक, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में सबसे अधिक चार-चार सीटों पर मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यसभा से 21 जून से 19 जुलाई तक अलग-अलग तारीखों पर 10 राज्यों के वर्तमान सांसद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। राज्यसभा चुनाव आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटों, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तीन-तीन सीटों, झारखंड में दो सीटों और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट पर होंगे।

राज्यसभा से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवोगौड़ा जैसे प्रमुख नेता सेवानिवृत्त होंगे। राजस्थान से राजेंद्र गहलोत, नीरज डांगी और रवनीत सिंह की सीटें भी खाली होने जा रही हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 1 जून को अधिसूचना जारी होगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 11 जून तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा